अध्याय - 5 लोकतांत्रिक अधिकार

स्मरणीय तथ्य

- लोकतंत्र में अधिकार : अधिकार का मतलब है कि लोगों की सुरक्षा, उसके सम्मान का ख्याल और समान अवसर जरूर हों।
- अधिकार :अधिकार लोगों के तार्किक दावे हैं, इन्हें समाज से स्वीकृति और अदालतों द्वारा मान्यता मिली होती है । लोकतंत्र की स्थापना के लिए अधिकारों का होना जरूरी है ।
- अधिकारों के अभाव में जीवन : अधिकारों के महत्व का अंदाजा निम्नलिखित तीन उदाहरण के द्वारा समझ सकते हैं कि अधिकारों के अभाव में जीने का क्या अर्थ है-
- **1. गुआंतानामो बे का जेल :**
  - अमेरिकी फ़ौज ने दुनिया भर के विभिन्न स्थानों से 600 लोगों को चुपचाप पकड़ लिया ।
  - इन लोगों को गुआंतानामो बे स्थित एक जेल में डाल दिया।
  - अमेरिकी सरकार कहती है कि ये लोग अमेरिका के दुश्मन हैं और न्यूयॉर्क में हुए 11 सितंबर 2001 के हमलों से इनका संबंध है।
  - अनस के पिता जमिल अल बन्ना उन 600 लोगों में एक हैं जिन्हें केवल संदेह के आधार पर पकड़ कर जेल में डाल दिया गया।
  - अधिकांश मामलों की गिरफ्तारी की सूचना किसी को नहीं दी गई।
  - परिवार वालों, मीडिया, सयुंक्त राष्ट्र के प्रतिनिधियों तक को इन कैदियों से मिलने की इजाजत नहीं दी गई । न ही ये कैदी किसी अदालत के दरवाजे खटखटा सकते थे ।
  - एक अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने गुआंतानामो बे के कैदियों की स्थिति के बारे में सूचनाएँ इकट्ठी की और उन कैदियों पर होनेवाले अत्याचारों के बारे में बताया ।
  - जब कैदी भूख हड़ताल कर के अपनी स्थितियों के खिलाफ विरोध करना चाहते तो उन्हें जबरदस्ती नाक मुँह के रास्ते खाना खिलाया जाता।
  - निर्दोष करार कैदियों को भी रिहा नहीं किया गया।
  - जब संयुक्त राष्ट्र महासचिव द्वारा गुआंतानामो बे जेल को बंद कर देने को कहा तो इसे भी मानने से इंकार कर दिया गया ।
- **2. सऊदी अरब में नागरिक अधिकार :**
  - सऊदी अरब की सरकार अपने ही नागरिकों के साथ दोहरा बर्ताव करती है।
  - देश में एक वंश का शासन चलता है।
  - जनता को इसे चुनने और बदलने में कोई भूमिका नहीं है।
  - शाह ही विधायिका और कार्यपालिका के लोगों का चुनाव करते हैं।
  - शाह ही न्यायाधीशों की नियुक्ति करता है।
  - न्यायालय के निर्णयों को शाह पलट (बदल) सकता है
  - कोई भी व्यक्ति राजनीतिक दल, संगठन का गठन नहीं कर सकता ।
  - मीडिया शाह की मर्जी के खिलाफ कोई भी खबर नहीं दे सकता।
  - जनता को धार्मिक आजादी नहीं है।केवल मुसलमान ही यहाँ के नागरिक हो सकते हैं।
  - दूसरे धर्मों के सार्वजनिक रूप से धार्मिक अनुष्ठानों पर रोक है। वे अपने धर्म के अनुसार पूजा पाठ अपने घर के अन्दर ही कर सकते हैं।
  - सऊदी अरब में औरतों और पुरुषों में वैधानिक रूप से अन्तर किया जाता है ।
  - सऊदी अरब में महिलाओं पर अनेक सार्वजनिक पाबन्दियाँ लगी है । जैसे - मताधिकार, वाहन चलाना आदि।
- **3. कोसोवो में जातीय नरसंहार :**
  - कोसोवो पुराने युगोस्लाविया का एक प्रांत था यहाँ अल्बानियाई लोगों की संख्या बहुत ज्यादा थी।
  - परन्तु पूरे देश में सर्ब लोग बहुसंख्यक थे।
  - उग्र सर्ब राष्ट्रवाद के भक्त मिलोशेविक ने कोसोवो में चुनावों में जीत हासिल कर ली।
  - मिलोशेविक सरकार का अल्बानियाई लोगो के प्रति बहुत ही कठोर व्यवहार किया। ये चाहते थे कि अल्बानियाई लोगों जैसे अल्पसंख्यक या तो देश छोड़कर चले जाए या सर्बो का प्रभुत्व स्वीकार कर ले।
  - कोसोवो के एक शहर में अप्रैल 1999 में अल्बानियाई परिवार के साथ एक घटना घटी।जो निम्न है -
  - 74 वर्षीय बतीशा होक्सा अपने 77 वर्षीय पति इजेत के साथ बैठी आग ताप रही है। सर्बिया की फौज शहर में घुस आई थी और विस्फोट होने लगें।
  - तभी दरवाजा खोलकर 5-6 सैनिक दनदनाते हुए अन्दर आ गए पुछा "बच्चे कहाँ है" ।
  - इजेत की छाती में तीन गोलियाँ दाग दी होक्सा की शादी की अंगुठी उतार फेकी उसके घर को आग लगा दी ।
  - वह बरसात में बेसहारा बेबस लाचार सड़क पर खड़ी रही।
  - यह सब उसके साथ जनता द्वारा चुनी हुई सरकार ने किया। ये नरसंहार देश की सेना ने लोकतान्त्रिक नेता के कहने पर किया । जो जातीय पूर्वाग्रह से प्ररित था।

- आखिरकार कई देशों की दखल से यह काम रूका। बाद में अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में मिलोशेविक के खिलाफ मानवता विरुद्ध कार्य के लिये मुकदमा चला।

➢ लोकतन्त्र में अधिकारों की आवश्यकता:-
- हर नागरिक को वोट देने और चुनाव लड़कर प्रतिनिधि चुने जाने का अधिकार है ।
- लोकतांत्रिक चुनाव में लोग अपना विचार को व्यक्त करते हैं, राजनैतिक पार्टी बनाने और इनकी गतिविधियों की आजादी भी है ।
- लोकतांत्रिक अधिकार बहुसंख्यकों के दमन से अल्पसंख्यकों की रक्षा करती है।
- सरकार भी कभी कभी तानाशाही करने लगती है।इससे बचाने के लिए संविधान बनाया गया है जिसे सरकार भी उल्लंघन नहीं कर सकती।

➢ भारतीय संविधान में अधिकार :-
- कुछ अधिकार जो हमारे जीवन के लिए मौलिक हैं, उन्हें भारतीय संविधान में एक विशेष दर्जा दिया गया है। उन्हें मौलिक अधिकार कहा जाता है।

➢ संविधान द्वारा भारत में नागरिकों को प्राप्त मौलिक अधिकार :-
- समानता का अधिकार
- स्वतंत्रता का अधिकार
- शोषण के विरूद्ध अधिकार
- धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
- शैक्षिक व सांस्कृतिक अधिकार
- संवैधानिक उपचारों का अधिकार

➢ ये बुनियादी मानवाधिकार हैं, जो लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए दिए जाते हैं । ये अधिकार संविधान द्वारा प्रदान किया गया है ।

➢ मौलिक अधिकार के द्वारा, भारत का संविधान अपने सभी नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता और न्याय सुरक्षित करने का वादा करते है। इसलिए, ये भारत के संविधान की एक महत्वपूर्ण बुनियादी विशेषता हैं ।

➢ डॉ. भीम राव अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को हमारे संविधान की आत्मा और हृदय कहा ।

➢ मानवाधिकार आयोग :- भारत सरकार ने 1993 में मानवाधिकार आयोग गठित किया।

➢ मौलिक अधिकारों की सुरक्षा :- संवैधानिक उपचारों के अधिकार के द्वारा हम मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए सीधे हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं।

➢ विधायिका या कार्यपालिका के किसी भी फैसले या काम से मौलिक अधिकारों का हनन हो या उनमें कोई कमी हो तो वह फैसला या काम अवैध हो जाएगा ।

➢ अदालतें मौलिक अधिकारों की गड़बड़ी का शिकार होने वाले को हर्जाना दिलवा सकती हैं और गड़बड़ी करने वालों को दंडित कर सकती हैं।

➢ भारत में स्वतंत्र न्यायपालिका होने के कारण भारतीय अदालतें मौलिक अधिकारों का संरक्षण करने में सक्षम है।

➢ प्रतिज्ञा पत्र: नियमों और सिद्धांतों को कायम रखने का व्यक्ति, समूह या देशों का वायदा। ऐसे बयान या संधि पर दस्तखत करने वाले पर इसके पालन की कानूनी बाध्यता होती है।

➢ दावा: सभी नागरिकों, समाज या सरकार से किसी नागरिक द्वारा कानूनी या नैतिक अधिकारों की माँग ।

➢ दलितः ऐसी जाति में जन्मा व्यक्ति जिसे दूसरी जातियों के व्यक्ति छूने लायक नहीं मानते। दलितों के लिए अनुसूचित जाति, कमजोर वर्ग जैसे शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।

➢ जातीय समूहः मानव जाति का ऐसा समूह, जिसमें लोग आपस में एक मूल या सम्यक वंश के हों। एक जातीय समूह के लोग सांस्कृतिक आचरणों, धार्मिक विश्वासों और ऐतिहासिक स्मृतियों के ज़रिए जुड़े होते हैं।

➢ सम्मनः अदालत द्वारा जारी एक आदेश जिसमें किसी व्यक्ति को अदालत के सामने पेश होने के लिए कहा गया हो।

➢ अवैध व्यापारः अनैतिक कामों के लिए स्त्री, पुरुष या बच्चों की खरीद-बिक्री ।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. गुआंतानामो बे जेल कहाँ स्थित है?
a. न्यूयार्क b. क्यूबा
c. वाशिंगटन d. शिकागों

2. सऊदी अरब में किसका शासन है?
a. प्रधानमंत्री b. राष्ट्रपति
c. शाह d. जनरल

3. 6 से 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिकार किस किस वर्ष लागु किया गया ?
a. 01 अप्रैल 2008 b. 01 अप्रैल 2009
c. 01 अप्रैल 2010 d. 01 अप्रैल 2011

4. इनमें से कौन-सा अधिकार स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार से संबंधित नहीं है ?
a. भाषण की स्वतंत्रता b. निवास की स्वतंत्रता
c. उपाधियों का अंत d. भ्रमण की स्वतंत्रता

5. अमेरिकी फौज ने विश्वभर के विभिन्न स्थानों से कितने लोगों को पकड़ा था?
a. 500 लोगों को b. 600 लोगों को
c. 700 लोगों को d. 800 लोगों को

6. हमें संविधान के द्वारा कितने मौलिक अधिकार मिले है?
a. तीन b. पांच
c. सात d. छः

7. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का वर्णन किस भाग में किया गया है?
a. तीसरे भाग b. चौथे भाग
c. पाँचवे भाग d. आठवें भाग

8. गुआंतानामो बे जेल में लोगों को कैद करने का अमेरिका ने क्या कारण बताया?

a. वे जासूसी करते हुए पकड़े गए।
b. वे अमेरिकी राष्ट्रपति को मारने की योजना बना रहे थे।
c. अमेरिका ने इन्हें दुश्मन माना और इन्हें 11 सितम्बर 2001 को न्यूयॉर्क पर हुए हमले से जोड़ा।
d. इनमें से कोई नहीं।।

9. किस संस्था ने दुनिया के सामने उजागर किया कि गुआंतानामो बे जेल में कैदियों को यातना ही जा रही थी?

a. संयुक्तराष्ट्र संघ
b. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
c. एमनेस्टी इंटरनेशलन
d. संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का सर्वोच्च न्यायालय

10. दक्षिण अफ्रीका के संविधान द्वारा नागरिकों को क्या नया अधिकार मिला ?

a. निजता का अधिकार
b. स्वास्थ्य पर्यावरण का अधिकार
c. पर्याप्त आवास पाने का अधिकार
d. उपरोक्त में से सभी।

11. यदि कोई हमारे मौलिक अधिकारों का उल्लघन करता है तो हम सीधे संपर्क कर सकते हैं-

a. प्रधानमंत्री
b. राष्ट्रपति
c. उपराष्ट्रपति
d. सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय

12. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार मुख्य रूप से किनके अधिकारों को करते हैं?

a. महिलाएँ
b. अल्पसंख्यक
c. बच्चे
d. पुरुष

13. 1999 ई. में प्रसिद्ध पत्रकार पी. साईनाथ ने दलितों या अनुसूचित जातियों के खिलाफ छुवाछूत के व्यवहार पर किस अंग्रेजी अख़बार में एक लेखमाला लिखी ?

a. हिन्दू
b. टेलीग्राफ
c. टाइम्स ऑफ़ इन्डिया
d. हिंदुस्तान टाइम्स

14. 'बेगार' का क्या मतलब है ?

a. भीख मांगने की प्रथा।
b. श्रमिकों को बिना किसी वेतन के काम करने के लिए मजबूर करने की प्रथा।
c. श्रमिकों को बहुत कम मजदूरी पर काम करने के लिए प्रोत्साहित करने की प्रथा
d. B और C दोनों

15. अस्पृश्यता की प्रथा के बारे संविधान क्या कहता है ?

a. इसे समाप्त कर दिया गया है।
b. किसी भी रूप में इसका अभ्यास कानून द्वारा दंडनीय है।
c. चूँकि यह सदियों पुरानी प्रथा है, इसलिए इसका सम्मान किया जाना चाहिए।
d. a और b दोनों

16. सऊदी अरब में कौन सी शासन व्यवस्था है?

a. राज शाही
b. तानाशाही
c. संघीय सरकार
d. लोकतंत्र

17. सऊदी अरब के बारे में क्या सच नहीं है?

a. देश पर वंशानुगत राजा का शासन होता है।
b. राजा विधायिका के साथ-साथ कार्यपालिका का भी चयन करता है।
c. नागरिक राजनीतिक दल या कोई राजनीतिक संगठन नहीं बना सकते।
d. धर्म की स्वतंत्रता है।

18. अधिकार मुख्य रूप से प्रदान किये जाते हैं –

a. लोकतंत्र में
b. राजशाही में
c. तानाशाही में
d. उपर्युक्त सभी

19. अधिकार के लिए सही कथन का चयन करें -

a. अधिकार गारंटी है जिनका उपयोग चीजें गलत होने पर किया जा सकता है।
b. नागरिकों को जो चाहें करने दें
c. हमें दूसरों को चोट पहुंचाने दें
d. नागरिकों की रक्षा न करें

20. भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार से संबंधित नहीं है?

a. समता का अधिकार
b. सम्पति का अधिकार
c. स्वतंत्रता का अधिकार
d. शोषण के बिरुद्ध अधिकार

21. भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संबंध में इनमें से कौन सा असत्य है

a. हर किसी को अलग तरीके से सोचने का अधिकार है
b. कोई सरकार की नीति से असहमत हो सकता है
c. कोई इसका इस्तेमाल सरकार के खिलाफ लोगों को भड़काने के लिए कर सकता है।
d. कोई सरकार को आलोचना करने के लिए स्वतंत्र है

22. गुआंतानामो बे की जेल में दुनिया भर के लगभग 600 लोगों को किसके द्वारा रखा गया था ?

a. अमेरिकी सेना
b. जापानी सेना
c. जर्मन सेना
d. ब्रिटिश सेना

23. कितनी उम्र तक के बच्चों को किसी कारखाने या खदान में या किसी अन्य खतरनाक काम में नहीं लगाया जा सकता है?

a. 12 वर्ष
b. 13 वर्ष
c. 14 वर्ष
d. 15 वर्ष

24. एमनेस्टी इंडरनेशनल किसके लिए काम करता है ?

a. मानव अधिकार
b. ट्रेड यूनियन
c. गरीब बच्चे
d. वंचित लोग

25. निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है ?

a. हमें देश के किसी भी हिस्से की यात्रा करने की स्वतंत्रता है।

b. हमे भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है।

c. अस्पृश्यता एक दंडनीय अपराध नहीं हैं।

d. कानून के समक्ष सभी समान है।

26. धर्म की स्वतंत्रता से इंकार करने वाला देश है-

a. इजराइल b. सऊदी अरब

c. भारत d. यूगोस्लाविया

27. सऊदी अरब की राजनीतिक व्यवस्था के संबंध में इनमें से कौन-सा विकल्प सही नहीं है ?

a. राजा कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका का चयन करता है।

b. नागरिक राजनीतिक दल नहीं बना सकते है।

c. धर्म की कोई स्वतंत्रता नहीं है।

d. औरतों को मर्दों के बराबर दर्जा प्राप्त है।

28. अल्बेनियाई लोगों के प्रति मिलेशेविक का दृष्टिकोण था-

a. उनकी सरकार कोसोवो अल्बेनियाई के प्रति शत्रुतापूर्ण थी।

b. वह सर्व और अल्बेनियाई लोगों के बीच समानता लाना चाहता था।

c. वह चाहता था कि सर्व, अल्बेनियाई लोगों पर हावी हो जाए।

d. a और c दोनों।

29. गिरफ्तार और हिरासत किए गए व्यक्ति को गिरफ्तारी के कितने घंटों के भीतर निकटतम मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा?

a. 24 घंटे b. 21 घंटे

c. 23 घंटे d. 48 घंटे

30. संसद ने किस मौलिक अधिकार के तहत नागरिकों को सूचना का अधिकार देने वाला कानून बनाया है?

a. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार।

b. विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार।

c. समानता का अधिकार।

d. संवैधनिक उपचार का अधिकार।

31. सभी मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन की मांग करने के अधिकार को क्या कहा जाता है?

a. शोषण के खिलाफ अधिकार

b. स्वतंत्रता का अधिकार

c. संवैधानिक उपचार का अधिकार

d. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार

32. इनमें से कौन सा अधिकार सरकार या पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को प्रदान किया जाता है?

a. उसकी गिरफ्तारी के कारणों के बारे में सूचित किया जाता है।

b. गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना।

c. अपने बचाव के लिए एक वकील को नियुक्त करने के लिए।

d. उपरोक्त सभी।

33. निम्मलिखित में से कौन सी स्वतंत्रता भारतीय नागरिकों को उपलब्ध नहीं है ?

a. सरकार बदलने के लिए एक आंदोलन शुरू करने की स्वतंत्रता।

b. सरकार का विरोध करने की स्वतंत्रता।

c. सशस्त्र विद्रोह में भाग लेने की स्वतंत्रता।

d. इनमें से कोई नहीं।

34. इनमें से कौन भारत में 'स्वतंत्रता के अधिकार' के तहत उपलब्ध स्वतंत्रता नहीं है?

a. भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ।

b. लोगों को सरकार के खिलाफ विद्रोह करने के लिए उकसाने की स्वतंत्रता।

c. शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने की स्वतंत्रता ।

d. संघ और संस्था बनाने की स्वतंत्रता।

35. निम्नलिखित में से कौन सा एक अधिकार आम नागरिकों को प्राप्त नहीं है?

a. चुनाव लड़ने का अधिकार।

b. वोट का अधिकार।

c. किसी भी राजनीतिक कार्यालय की तलाशी का अधिकार।

d. स्वतंत्रता का अधिकार।

36. इनमें से लोकतंत्र का प्रमुख तत्व कौन सा है ?

a. निष्पक्ष चुनाव b. लोकतांत्रिक संस्थाएँ

c. लोकतांत्रिक अधिकार d. उपर्युक्त सभी।

37. इनमें से कौन सा अधिकार सरकार के लिए लक्ष्मण रेखा का निर्माण करता है?

a. मौलिक अधिकार।

b. मतदान का अधिकार।

c. चुनाव लड़ने का अधिकार।

d. इनमें से कोई नहीं।

38. एमनेस्टी इंटरनेशनल किस प्रकार का संगठन है ?

a. मजदूरों का संगठन।

b. व्यापारियों का संगठन।

c. अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन।

d. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी संगठन।

39. सऊदी अरब में विधायिका, कार्यपालिक का चुनाव और न्यायधीशों की नियुक्ति कौन करता है?

a. लोगों के द्वारा।

b. वहां के शाह के द्वारा।

c. वहाँ के व्यापारियों के द्वारा।

d. इनमें से कोई नहीं।

40. किस देश में लोग राजनीतिक दल या संगठन नहीं बना सकते हैं, एवं मीडिया स्वतंत्र रूप से कार्य नहीं कर सकती है?

a. पाकिस्तान b. भारत

c. बांग्लादेश d. सऊदी अरब

41. किस देश में सिर्फ मुसलमान ही नागरिक बन सकते हैं?

a. अफगानिस्तान b. पाकिस्तान

c. सऊदी अरब d. बांग्लादेश

42. सऊदी अरब के बारे में कौन सा कथन सत्य नहीं है?

a. सऊदी अरब में कार्यपालिका, विधायिका, और न्यायधीशों की नियुक्ति शाह करते हैं।

b. राजनीतिक संगठन बनाने पर पाबन्दी है।

c. यहाँ दूसरे धर्म के लोग सार्वजनिक रूप से धार्मिक अनुष्ठान कर सकते हैं।

d. औरतों को मर्दों से कमतर समझा जाता है। उन्हें मताधिकार प्राप्त नहीं है।

43. यूगोस्लाविया में कौन लोग बहुसंख्यक थे?

a. अल्बानियाई लोग b. सर्ब लोग

c. रुसी लोग d. इनमें से कोई नहीं।

44. मिलोशेविक ने युगोस्लाबिया चुनाव जीतने के बाद क्या कदम उठाया ?

a. कोसोवो के अल्बानियाई लोगों के प्रति कठोर व्यावहार किया।

b. देश पर सर्ब नियंत्रण के लिए कई नीतियाँ बनाई।

c. अल्बानियाई लोगों जैसे अल्पसंख्यक को सर्ब का प्रभुत्व स्वीकार करने या देश छोड़ कर

जाने के लिए मजबूर किया।

d. उपर्युक्त सभी।

45. मिलोशेविक यूगोस्लाविया में कैसे सत्ता में आया था?

a. चुनाव जीत कर।

b. तख्तापलट कर।

b. मनोनित होकर।

d. सैन्य शक्ति के बल पर।

46. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने मानवता के खिलाफ अपराध का मुकदमा किस पर चलाया?

a. मिलोशेविक पर। b. अमेरिका के राष्ट्रपति पर।

c. सऊदी अरब के शाह पर। d. इनमें से कोई नहीं।

47. इनमें से कौन-सा मौलिक अधिकारों के उपयोग का उदाहरण नहीं है?

a. बिहार के मजदूरों का पंजाब के खेतों में काम करने जाना।

b. ईसाई मिशनों द्वारा मिशनरी स्कूलों की शृंखला चलाना।

c. सरकारी नौकरी में औरत और मर्द को समान वेतन मिलना।

d. बच्चों द्वारा मां-बाप की संपत्ति विरासत में पाना।

48. भारतीय संविधान इनमें से कौन-सा अधिकार देता है?

a. काम का अधिकार।

b. पर्याप्त जीविका का अधिकार।

c. अपनी संस्कृति की रक्षा का अधिकार।

d. निजता का अधिकार।

बहुविकल्पीय प्रश्न का उत्तर

1.	b	13.	a	25.	c	37.	a
2.	c	14.	d	26.	b	38.	c
3.	c	15.	d	27.	d	39.	b
4.	c	16.	a	28.	d	40.	d
5.	b	17.	d	29.	a	41.	c
6.	d	18.	a	30.	b	42.	c
7.	a	19.	a	31.	c	43.	b
8.	c	20.	b	32.	d	44.	d
9.	c	21.	c	33.	c	45.	a
10.	d	22.	a	34.	b	46.	a
11.	d	23.	c	35.	c	47.	d
12.	b	24.	a	36.	d	48.	c

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. संविधान द्वारा भारतीयों को कितने मौलिक अधिकार प्राप्त हैं ?

उत्तर- संविधान द्वारा भारतीयों को छः मौलिक अधिकार प्राप्त हैं।

2. विभिन्न सरकारी योजनाओं में सरकार द्वारा किन्हें प्राथमिकता दी जाती है?

उत्तर- विभिन्न सरकारी योजनाओं में सरकार द्वारा समाज के कमजोर या पिछड़े वर्गों जैसे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, स्त्री, गरीब या शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

3. छुआछूत या अस्पृश्यता का क्या अर्थ है ?

उत्तर- अस्पृश्यता का शाब्दिक अर्थ है - जो स्पर्श या छूने योग्य नहीं हो। भारतीय समाज में किसी खास जाति में जन्म लेने भर से उनको नीची नजरों से देखना और उसके साथ अलग तरह का व्यवहार करना छुआछूत कहलाता है।

4. "प्रेस की स्वतंत्रता" किस मौलिक अधिकार में निहित है?

उत्तर- "प्रेस की स्वतंत्रता'' स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार में निहित है।

5. कितने उम्र के बच्चों को काम पर नहीं लगाया जा सकता है।

उत्तर- 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को काम पर नहीं लगाया जा सकता है।

6. पुलिस द्वारा गिरफ्तार किये गए किए गए व्यक्ति को कितने घंटो के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना होता है?

उत्तर- पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को 24 घंटों के अंदर मजिस्ट्रेट के सामने प्रस्तुत करना होता है।

8. डॉ० बी०आर० अंबेडकर ने 'संवैधानिक उपचार' के मौलिक अधिकार को क्या कहा है?

उत्तर- डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने 'संवैधानिक उपचार' के मौलिक अधिकार को हमारे संविधान की 'आत्मा और ह्रदय' कहा है।

9. मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कौन- सी संस्था है?

उत्तर- मानवाधिकार उल्लघंन को रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग" नामक संस्था है।

10. बच्चों को अपने साथ होने वाले किसी दुर्व्यवहार अथवा मुसीबत अथवा दुविधा ग्रस्त होने पर किस हेल्प लाईन' नम्बर पर कॉल/फोन करना चाहिए ।

उत्तर- बच्चों को अपने साथ होने वाले किसी भी तरह के दुर्व्यवहार अथवा मुसीबत अथवा दुविधा ग्रस्त होने पर 1098 नम्बर' (चाइल्ड लाइन) पर यथाशीघ्र कॉल/फोन करना चाहिए।

11. उस मौलिक अधिकार का नाम बताएँ जिसके तहत निम्नलिखित स्वतंत्रताएँ आती हैं?

a. अपने धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता
b. जीवन का अधिकार
c. छुआछूत की समाप्ति
d. बेगार पर प्रतिबंध

उत्तर- a. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार।
b. स्वतंत्रता का अधिकार।
c. समानता का अधिकार।
d. शोषण के विरुद्ध अधिकार।

12. लोकतंत्र और अधिकारों के बीच संबंधों के बारे में इनमें से कौन-सा बयान ज्यादा उचित है? अपनी पसंद के पक्ष में कारण बताएँ?

a. हर लोकतांत्रिक देश अपने नागरिकों को अधिकार देता है।
b. अपने नागरिकों को अधिकार देने वाला हर देश लोकतांत्रिक है।
c. अधिकार देना अच्छा है, पर यह लोकतंत्र के लिए जरूरी नहीं है।

उत्तर- a. हर लोकतांत्रिक देश अपने नागरिकों को अधिकार देता है। पसन्द के पक्ष में तर्क:-
1. लोकतांत्रिक देश में संविधान द्वारा देश के नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता तथा धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकार आवश्यक रूप से दिए जाते हैं।
2. लोकतंत्र में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार सामान्य रूप से आ जाता है।

13. स्वतंत्रता के अधिकार पर ये पाबंदियाँ क्या उचित हैं? अपने जवाब के पक्ष में कारण बताइएँ।

a. भारतीय नागरिकों को सुरक्षा कारणों से कुछ सीमावर्ती इलाकों में जाने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है।
b. स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा के लिए कुछ इलाकों में बाहरी लोगों को संपत्ति खरीदने की अनुमति नहीं है।
c. शासक दल को अगले चुनाव में नुकसान पहुँचा सकने वाली किताब पर सरकार प्रतिबंध लगाती है।

उत्तर- a. यह पाबंदी उचित है। पक्ष में तर्क :-
1. नागरिकों की सुरक्षा हेतु मौलिक अधिकारों पर इस प्रकार की आंशिक पाबंदी संवैधानिक रूप से उचित है।
2. बाहरी आक्रमण तथा दंगों की स्थिति में किसी क्षेत्र विशेष में जाने से नागरिकों को रोका जाना उचित है।

b. यह पाबंदी सर्वदा उचित है। पक्ष में तर्क :-
1. जम्मू-कश्मीर जैसे राज्य में बाहरी व्यक्तियों को सम्पत्ति खरीदने की अनुमति न देना सही है क्योंकि वहाँ की जनता गरीब है। अगर वहाँ सम्पत्ति खरीदने की अनुमति दी गई तो हमारे देश के सभी अमीर व्यक्ति वहीं जाकर धन लगाएंगे और सारी भूमि खरीद लेंगे।

c. यह पाबंदी सरासर गलत है। पक्ष में तर्क :- मात्र इस वजह से किसी पुस्तक पर रोक लगाना ठीक नहीं हैं कि उस पुस्तक में सरकार की आलोचना की गई है। ऐसा करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के विरूद्ध है।

14. मनोज एक सरकारी दफ्तर में मैनेजर के पद के लिए आवेदन देने गया। वहाँ के किरानी ने उसका आवेदन लेने से मना कर दिया और कहा 'झाड़ू लगाने वाले का बेटा होकर तुम मैनेजर बनना चाहते हो। तुम्हारी जाति का कोई कभी इस पद पर आया है? नगरपालिका के दफ्तर जाओ और सफाई कर्मचारी के लिए अर्जी दो।' इस मामले में मनोज के किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन हो रहा है? मनोज की तरफ से जिला अधिकारी के नाम लिखे एक पत्र में इसका उल्लेख करो।

उत्तर- इस मामले में मनोज कुमार के समानता एवं स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है।

जिला अधिकारी के नाम पत्र :-

सेवा में,

जिला अधिकारी,

..... जी

विषय- मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के बारे ।

महोदय,

निवेदन यह है कि मैं खाद्य एवं आपूर्ति विभाग में रिक्ती के विरूद्ध मैनेजर के पद के लिए आवश्यक योग्यताओं के साथ आवेदन पत्र जमा करवाने गया था। वहाँ का सम्बंधित अधिकारी मेरा व्यक्तिगत रूप से जानकार सामान्य जाति का एक व्यक्ति था, जिसका नाम विरेश कुमार है। मैं वाल्मीकि जाति से हूँ। उस अधिकारी ने मेरी योग्यताओं को देखने के बावजूद यह कहकर, "झाड़ू लगाने वाले का बेटा होकर तुम मैनेजर बनना चाहते हो। तुम्हारी जाति का कोई भी व्यक्ति कभी इस पद पर आया है? नगरपालिका के दफ्तर जाओ और सफाई कर्मचारी के लिए अर्जी दो ।" मेरा आवेदन लेने से मना कर दिया।

आपको सूचित करते हुए अनुरोध किया जाता है कि आप मेरे समानता एवं स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों की रक्षा करते हुए उस अधिकारी के खिलाफ संवैधानिक कार्यवाही कर मेरे आवेदन पत्र को जमा करवाएं।

मैंने इस विषय में जिला न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नाम भी पत्र लिख दिया है। यह सब मैं व्यक्तिगत रूप से कर लूँगा। आपको मात्र विभागीय कार्यवाही करने हेतु सूचना देते हुए अनुरोध है कि

इस विषय की गंभीरता को समझते हुए त्वरित कार्यवाही करें। धन्यवाद ।

प्रार्थी,

मनोज कुमार

15. जब मधुरिमा संपत्ति के पंजीकरण वाले दफ्तर में गई तो रजिस्ट्रार ने कहा, "आप अपना नाम मधुरिमा बनर्जी, बेटी ए. के. बनर्जी" नहीं लिख सकतीं। आप शादीशुदा हैं और आपको अपने पति का ही नाम देना होगा। फिर आपके पति का उपनाम तो राव है। इसीलिए आपका नाम भी बदलकर मधुरिमा राव हो जाना चाहिए। मधुरिमा इस बात से सहमत नहीं हुई। उसने कहा, "अगर शादी के बाद मेरे पति का नाम नहीं बदला तो मेरा नाम क्यों बदलना चाहिए? अगर वह अपने नाम के साथ पिता का नाम लिखते रह सकते हैं तो मैं क्यों नहीं लिख सकती?" आपकी राय में इस विवाद में किसका पक्ष सही है? और क्यों?

उत्तर- इस विवाद में मधुरिमा का पक्ष सही है। क्योंकि समानता के मौलिक अधिकार के अनुसार, "धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म-स्थान या इनमें से किसी के आधार पर राज्य किसी नागरिक के साथ कोई भेद-भाव नहीं करेगा।"

अतः मधुरिमा बनर्जी के मौलिक अधिकार की रक्षा के तहत वह अपने नाम के साथ पति की जगह पिता का उपनाम भी लिख सकती है। रजिस्ट्रार उसे पति का नाम लिखने के लिए मजबूर नहीं कर सकता ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. स्वतंत्रता के अधिकार के अन्तर्गत भारतीय नागरिकों को कितने तरह के स्वतंत्रताएं प्राप्त हैं?

उत्तर- स्वतंत्रता के अधिकार के अन्तर्गत भारतीय नागरिकों को निम्नलिखित छः तरह के स्वतंत्रताएँ प्राप्त हैं-

a. अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ।
b. शांतिपूर्ण ढंग से जमा होने की स्वतंत्रता ।
c. संगठन और संघ बनाने की स्वतंत्रता।
d. देश में कहीं भी आने-जाने की स्वतंत्रता।
e. देश के किसी भी भाग में रहने- बसने की स्वतंत्रता।
f. कोई भी काम करने, धंधा चुनने या पेशा करने के स्वतंत्रता।

भारतीय नागरिक उपरोक्त स्वतंत्रता का ऐसा उपयोग नहीं कर सकते हैं, जिससे दूसरे की स्वतंत्रता का हनन होता है।

2. लोकतंत्र में हमें अधिकारों की क्यों जरूरत है?

उत्तर- नागरिक अधिकारों के बिना लोकतंत्र की कल्पना नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में नागरिकों को अधिकारों की जरूरत निम्न कारणों से है-

a. लोकतंत्र में हर नागरिक को वोट देने और चुनाव लड़कर प्रतिनिधि चुने जाने की अधिकार है। अत: लोकतांत्रिक चुनाव तभी संभव है। जब लोगों को विचार-अभिव्यक्ति राजनैतिक पार्टी बनाने और राजनैतिक गतिविधियों करने का अधिकार प्राप्त हो ।
b. लोकतंत्र में अधिकार बहुसंख्यकों के दमन से अल्प संख्यकों की रक्षा करते हैं। जब बहुमत के लोग अल्पमत के अधिकारों को हड़पना चाहते हैं, प्रभुत्वा कायम करना चाहते है, तो नागरिक-अधिकार अल्पमत की रक्षा करता है।

3. भारतीय संविधान द्वारा भारतीयों को कितने तरह के मौलिक अधिकार दिये गए है? लिखें ।

उत्तर- भारतीय संविधान द्वारा भारतीयों को छः तरह के मौलिक अधिकार दिये गए है। जो निम्नलिखित है-

a. समानता का अधिकार।
b. स्वतंत्रता का अधिकार ।
c. शोषण के विरुद्ध अधिकार ।
d. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार।
e. सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार ।
f. संवैधानिक उपचार का अधिकार।

4. सांस्कृतिक और शैक्षिक मौलिक अधिकार के तहत हमें क्या अधिकार प्राप्त है?

उत्तर- सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार के तहत हमें निम्नलिखित अधिकार प्राप्त है-

a. विशिष्ट भाषा या संस्कृति वाले किसी भी नागरिक समूह को अपनी भाषा और संस्कृति को बचाने का अधिकार है।
b. किसी भी सरकारी या सरकारी अनुदान पाने वाले, शैक्षिक संस्थान में किसी नागरिक को धर्म या भाषा के आधार पर दाखिला लेने से नहीं रोका जा सकता।
c. सभी अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद का शैक्षिक संस्थान स्थापित करने और चलाने का अधिकार है।

5. संवैधानिक उपचार का अधिकार को हमारे संविधान की "आत्मा और हृदय" क्यों कहा जाता है?.

उत्तर- डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने संवैधानिक उपचार के अधिकार को हमारे संविधान की आत्मा और हृदय कहा है। कई बार हमारे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन कोई और नागरिक संस्था या स्वयं सरकार करती है। तो इसके विरुद्ध संवैधानिक उपचार के अधिकार के तहत हम सीधे सर्वोच्च न्यायालय या किसी राज्य के उच्च न्यायालय का दरवाजा खट-खटा सकते हैं और न्याय प्राप्त करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. भारत के नागरिकों के समानता के अधिकार का वर्णन करें।

उत्तर- समानता का अधिकार भारत के नागरिकों का पहला मौलिक अधिकार है। इस अधिकार के अन्तर्गत नागरिकों को निम्नलिखित अधिकार दिए गए हैं-

a. विधि के समक्ष समानता-संविधान के अनुसार सरकार, भारत में किसी व्यक्ति को विधि या कानून के सामने समानता या कानून के समान संरक्षण के अधिकार से वंचित नहीं करेगा। इसका अर्थ है कि- कानून या विधि के सामने हर व्यक्ति समान है।
b. सामाजिक समानता-संविधान के अनुसार सरकार किसी

व्यक्ति से उसके धर्म, जाति, समुदाय, लिंग और जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकता है। सरकार भारत के नागरिक को किसी भी दुकान, होटल, सिनेमाघरों, सार्वजनिक कुएँ, तालाब, स्नानघाट, सड़क, खेल के मैदान और सार्वजनिक भवनों में प्रवेश या इस्तेमाल से वंचित नहीं किया जा सकता है।

c. अवसर की समानता - सरकारी पदों में किसी पद पर नियुक्ति या रोजगार के मामले में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता है। धर्म, जाति, समुदाय, लिंग और जन्म स्थान के आधार किसी भी व्यक्ति को रोजगार के अयोग्य नहीं करार दिया जा सकता है। अवसर की समानता के अंतर्गत ही भारत सरकार ने नौकरियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति और अन्य पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की है।

d. अस्पृश्यता या छुआछूत का अंत - संविधान द्वारा अस्पृश्यता या हुआछूत का अंतकर दिया गया है। किसी खास जाति को नीची नजर से देखना, अलग तरह का व्यवहार करना, छुआछूत संबंधी, सारी सामाजिक मान्यताओं और आचरणों को संविधान द्वारा दंडनीय अपराध घोषित किया गया है।

e. उपाधियों का अंत - संविधान द्वारा राज्य, सेना द्वारा दी गयी उपाधि और विद्या द्वारा अर्जित उपाधि को छोड़कर अन्य सभी उपाधि को अंत वर्णित कर दिया गया है।

2. भारत के नागरिको के स्वतंत्रता का अधिकार का वर्णन करें?

उत्तर- भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को निम्नलिखित प्रकार के स्वतंत्रता के अधिकार दिए गए हैं-

a. विचार- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता- इस स्वतंत्रता के अन्तर्गत नागरिकों के बोलने, लिखने और कला के विभिन्न रूपों में स्वयं को व्यक्त करना शामिल है। नागरिक, सरकार के किसी नीति या किसी संगठन की आलोचना करने के लिए स्वतंत्र है। अखबार, पत्रिकाओं के द्वारा अपना विचार व्यक्त कर सकते हैं। लेकिन हम इस स्वतंत्रता का उपयोग करके किसी व्यक्ति या समुदाय के खिलाफ हिंसा, झूठी बाते या प्रतिष्ठा गिराने वाली बातों का प्रचार नहीं कर सकते हैं।

b. शांतिपूर्ण ढंग से जमा होने की स्वतंत्रता - नागरिकों को बिना हथियार के शांति पूर्ण ढंग से किसी मुद्दे पर जमा होने, बैठक करने, प्रदर्शन करने, जुलूस निकालने का अधिकार है।

c. संगठन और संघ बनाने की स्वतंत्रता - यह अधिकार नागरिकों को संगठन और संघ बनाने की स्वतंत्रता देता है। मजदूर अपने हितों की रक्षा के लिए मजदूर संघ बना सकते हैं।

d. देश में कहीं भी आने-जाने की स्वतंत्रता- भारत के नागरिकों को देश के किसी भी हिस्से में आने जाने और स्वतंत्र रूप से घुमने की आजादी है।

e. भारत के नागरिकों को देश के किसी भी भाग में रहने - बसने या निवास की स्वतंत्रता है।

f. भारत के नागरिकों को कोई भी काम करने', धंधा चुनने या पेशा अपनाने की स्वतंत्रता है। बशर्ते वह पेशा, धंधा काम कानून के नजर में अनैतिक न हो।

3. शोषण के खिलाफ अधिकार का वर्णन करें ?

उत्तर- संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को अपने खिलाफ हुए शोषण के खिलाफ अधिकार प्रदान करता है। वह अपने शोषण के विरुद्ध न्यायालय की शरण ले सकता है। संविधान ने तीन तरह के शोषण को गैर-कानूनी घोषित किया है। जो निम्न हैं-

a. मानव के तस्करी या अवैध व्यापार का निषेध - आम तौर पर मानव के अवैध व्यापार का शिकार महिलाएँ एवं बच्चे होते हैं। जिनका अनैतिक कामों में ढकेलकर शोषण किया जाता है।

b. बलात् श्रम या बेगार पर निषेध- हमारा संविधान किसी प्रकार के 'बेगार' या जबरन काम लेने पर प्रतिबंध लगाता है। बेगार प्रथा में मजदूरों को अपने मालिक के लिए मुफ्त' या बहुत थोड़े से अनाज वगैरह के लिए जबरन काम करना पड़ता है। जब यही काम मजदूर को जीवन भर करना पड़ता है तो उसे बंधुआ मजदूरी कहते हैं।

c. बाल मजदूरी का निषेध - हमारा संविधान बाल मजदूरी का निषेध करता है। 14वर्ष से कम आयु के बच्चों को सभी प्रकार के व्यावसायिक कार्यों में लगाने पर प्रतिबंध है। इसी को आधार बनाकर बीड़ी बनाने, पटाखे बनाने, दिया सलाई बनाने, प्रिंटिंग और रंगरोगन जैसे कामों में बाल मजदूरी की रोकने के लिए कई कानून बनाये गये हैं।